

| | Seite |
|--|-------|
| 66. Der Winter auf dem Schut. Jul. Sturm | 63 |
| 67. Schneeglöckchen. Jul. Trojan | 63 |
| 68. Schneeglöckchen. Gg. Scheurlin | 64 |
| 69. April. Rob. Reinick | 64 |
| 70. Frühlingslied. Jul. Sturm | 65 |
| 71. Frühlings Einzug. Wih. Müller | 65 |
| 72. Frühling. Friedr. Gäll | 66 |
| 73. Rosenzeit. Heinr. Seidel | 67 |
| 74. Schwalbensied. Jul. Sturm | 67 |
| 75. Waldkonzert. Christian Dieffenbach | 68 |
| 76. Waldkonzert. Joh. Rep. Vogl | 68 |
| 77. Sommerlied. Joh. Peter Hebel | 69 |
| 78. Freude am Sommer. Paul Gerhardt | 69 |
| 79. Abseits. Theod. Storm | 70 |
| 80. Das Haus in der Heide. Anette v. Droste-Hülshoff | 71 |
| 81. Das Ahrenfeld. Hoffmann v. Fallersleben | 71 |
| 82. Das Lied vom Kirschbaum. Joh. Peter Hebel | 72 |
| 83. Schlittenfahrt. Rud. Löwenstein | 72 |
| 84. Weihnachten. Rob. Reinick | 73 |
| 85. Ötern. Karl Gerol | 74 |
| 86. Mit Gott. E. Klette | 75 |
| 87. Heimkehr. Friedr. Bodenstedt | 75 |
| 88. Weiß und blau. Scharer | 76 |
| 89. Des Deutschen Vaterland. Ernst Moriz Arndt | 76 |
| 90. Bayerland, mein Heimatland. Leonh. Wohlmutz | 77 |
| 90a. Lied der Bayern. J. B. Gahmann | 77 |

II. Prosa.

1. Fabeln, Parabeln, Erzählungen, Sagen.

| | |
|--|----|
| 91. Der Specht und die Taube. Aug. Gottl. Reizner | 81 |
| 92. Der Fiel in der Löwenhaut. Nach Alop | 81 |
| 93. Der alte Löwe. Nach Alop | 81 |
| 94. Der Hahn und die Pfauen. Nach Alop | 82 |
| 95. Der Fuchs und die Trauben. Nach Alop | 82 |
| 96. Der Fuchs und der Bock. Nach Alop | 82 |
| 97. Der Hahn und der Fuchs. Gotth. Ephr. Lessing | 83 |
| 98. Der Wolf, der Fuchs und der Kranich. Nach Alop | 83 |
| 99. Der Hahn, der Hund und der Fuchs. Nach Wih. Cuztmann | 84 |
| 100. Zeus und das Pferd. Gotth. Ephr. Lessing | 85 |
| 101. Der Rangstreit der Tiere. Gotth. Ephr. Lessing | 85 |
| 102. Die Eiche. Gotth. Ephr. Lessing | 86 |
| 103. Der Besitzer des Bogens. Gotth. Eph. Lessing | 86 |